गजेन्द्र सिंह शेखावत
Gajendra Singh Shekhawat

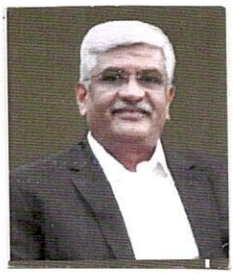

सत्यमेव जयते

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

जल शक्ति मंत्री
भारत सरकार
Minister for Jal Shakti
Government of India

## संदेश

06 SEP 2022

**मेरे प्रिय साथियों,**

'हिन्दी दिवस' के शुभ अवसर पर आप सभी को मेरी बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं।

भारत की सांस्कृतिक चेतना विलक्षण है। हमारा देश भाषा के मामले में अत्यन्त समृद्ध है। देश में सांस्कृतिक समन्वय के जो प्रयास हो रहे हैं, उनमें हिन्दी भाषा का विशेष योगदान है। विपुल शब्द भण्डार वाली हिन्दी एक सरल, व्यावहारिक और जीवंत भाषा है। देश के महान विचारकों एवं दार्शनिकों ने काफी चिंतन और मनन के बाद हिन्दी को भारत की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था। अतः राजभाषा कार्यान्वयन हमारा संवैधानिक दायित्व है। इसकी सार्थकता हमारी निष्ठा पर निर्भर करती है। जनता का काम जनता की भाषा में सम्पन्न हो, सरल एवं सुबोध हिन्दी में हो।

आज के संदर्भ में जल संचयन और जल का उचित प्रयोग जैसे विषय अत्यन्त महत्वपूर्ण हैं। जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण विभाग, जल शक्ति मंत्रालय के जल से जुड़े हुए क्रियाकलापों से संबंधित जानकारी आम जनता की समझ में आने वाली सरल भाषा में प्रदान की जानी चाहिए। ऐसा करके हम अपने दायित्व को और अधिक महत्वपूर्ण ढंग से पूरा कर सकते हैं।

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग, जल शक्ति मंत्रालय में उत्साह के साथ 'हिन्दी पखवाड़ा समारोह' आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर हम संकल्प लें कि हम अपने कामकाज में राजभाषा का अधिकाधिक प्रयोग करके संविधान के प्रति अपनी निष्ठा और समर्पण भावना का परिचय देंगे।

हार्दिक शुभकामनाएं।

जयहिन्द!

(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

जल शक्ति अभियान
संचय जल, बेहतर कल

**Office :** 210, Shram Shakti Bhawan, Rafi Marg, New Delhi-110 001
**Tel: No.** (011) 23711780, 23714663, 23714200, Fax : (011) 23710804
E-mail : minister-jalshakti@gov.in

प्रहलाद सिंह पटेल
PRAHLAD SINGH PATEL

सत्यमेव जयते

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग एवं
जल शक्ति राज्य मंत्री
भारत सरकार
MINISTER OF STATE FOR
FOOD PROCESSING INDUSTRIES
AND JAL SHAKTI
GOVERNMENT OF INDIA

## शुभकामना संदेश

कोई भी वनस्पति हो, फूल हो, फल हो उसकी अपनी एक प्रकृति होती है। वे अपनी तय प्रकृति में ही पनपते हैं, फलते-फूलते हैं। उसी तरह अभिव्यक्ति की भी अपनी एक भाषा होती है। जो हमारे विचारों के अनुरूप होती है। विचारों की उसी प्रकृति में हम अपनी अभिव्यक्ति करते हैं। पुष्पित, पल्लवित करते हैं। मुझे लगता है वह भाषा हमारी अपनी होनी चाहिए। जो भाषा हमारी प्रकृति से मेल खाती हो, हमसे मिलती-जुलती हो, हमसे एक लगाव रखती हो, एक अपनापन हो। जो हमसे बतियाती हो, हमारी बात समझती हो, समझाती हो। यानि मां की तरह हो। मुझे यह मातृत्व का रिश्ता हिन्दी से लगता है।

जिस तरह से दुनिया के सांस्कृतिक मंच पर वेद हों या गंगा हमारी पहचान है उसी तरह दुनिया के भाषाई मेले में हिन्दी भी हमें अपनी पहचान देती है। किसी दूसरे का मुखौटा लगाकर न हम अपना चेहरा बदल सकते हैं और न ही पहचान। हम अपने विचारों को अभिव्यक्ति के किसी भी स्तर पर सार्थकता तभी प्रदान कर पाएंगे, जब हम उसका माध्यम उसकी प्रकृति के हिसाब से यानि अपनी भाषा में ही चुनेंगे। हम अपनी भाषा पर जितना गर्व करेंगे। जितना ज्यादा से ज्यादा प्रयोग करेंगे। हमारी राजभाषा उतनी समृद्ध और गौरवशाली होगी। हिन्दी दिवस पर आप सभी को मंगल कामनाएं।

(प्रहलाद सिंह पटेल)
30/8/22

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय, 204 - पंचशील भवन, अगस्त क्रान्ति मार्ग, नई दिल्ली-110 049
Ministry of Food Processing Industries, 204 - Panchsheel Bhavan, August Kranti Marg, New Delhi-110 049
**Phone:** 011-2649 1254 **Fax:** 011-2649 1256,
**E-mail:** mos-fpi@nic.in; office.pspatel@gmail.com; mos.fpi2021@gmail.com
निवास : 7- बी जनपथ, नई दिल्ली - 110 001
**Resi.:** 7-B, Janpath, New Delhi - 110 001 | **Phone:** 011-2301 5098, 2301 7383

विश्वेश्वर टुडु
BISHWESWAR TUDU

सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

जल शक्ति एवं
जनजातीय कार्य राज्य मंत्री
भारत सरकार
नई दिल्ली-110001
MINISTER OF STATE FOR
JAL SHAKTI & TRIBAL AFFAIRS
GOVERNMENT OF INDIA
NEW DELHI - 110001

दिनांक: अगस्त, 2022

**संदेश**

प्रिय साथियों,

हिन्दी दिवस के शुभ अवसर पर आप सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ।

हिन्दी हमारे देश की सबसे बड़ी संपर्क भाषा है। भारत के संविधान के अनुसार भी संघ की राजभाषा हिन्दी है। राजभाषा हिन्दी में सरकारी कामकाज करने से सरकार और जनता के बीच परस्पर विश्वास बढ़ता है इसलिए हमारी यह जिम्मेदारी है कि हम अधिकाधिक कार्य हिन्दी में करें। हमारा देश एक बहु-भाषी देश है जहां अनेक संस्कृतियां विद्यमान हैं। हिन्दी एक सेतु के रुप में काम कर रही है जो भारत की विभिन्न संस्कृतियों, परंपराओं, और संप्रदायों को आपस में जोड़ती है।

सरकारी कामकाज में राजभाषा हिन्दी का प्रयोग बढ़ाने के लिए सरकार ने अनेक सुविधाएं एवं संसाधन उपलब्ध कराए हैं। कंप्यूटरों पर हिन्दी में काम करने में अब कोई कठिनाई नहीं है। अलग से किसी हिन्दी सॉफ्टवेयर के बगैर कंप्यूटरों पर यूनिकोड समर्थित फॉन्टस् के साथ आसानी से हिन्दी में कार्य किया जा सकता है। साथ ही यह भी जरूरी है कि हम कम्प्यूटरों पर उपलब्ध इन आधुनिक सुविधाओं के उपयोग से हिन्दी को आगे बढ़ाने में अपना योगदान दें और राजभाषा द्वारा निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने की ईमानदार कोशिश करें।

यह अत्यंत हर्ष की बात है कि जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग, जल शक्ति मंत्रालय में दिनांक 14.09.2022 से 28.09.2022 तक हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है।

मुझे उम्मीद है कि विभाग के अधिक से अधिक अधिकारी और कर्मचारी इस 'हिन्दी पखवाड़ा' समारोह के अन्तर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़ कर भाग लेंगे।

'हिन्दी पखवाड़े' के इस शुभ अवसर पर मैं आप सभी को बधाई देते हुए 'हिन्दी पखवाड़े' की सफलता की कामना करता हूँ।

**(विश्वेश्वर टुडु)**

**215, श्रम शक्ति भवन, रफी मार्ग, नई दिल्ली -110 001,** 215, Shram Shakti Bhawan, Rafi Marg, New Delhi-110 001
**दूरभाष :** (011) 23708419, 23718759, **फैक्स :** 011-23354496, Tel. : (011) 23708419, 23718759, Fax : 011-23354496
**415, 'बी' विंग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली -110 001,** 415,'B' Wing, Shastri Bhawan, New Delhi-110 001
**दूरभाष :** (011) 23070580, 23070669, Tel. : (011) 23070580, 23070669, E-mail : mos-tribalaffairs.gov.in

पंकज कुमार
PANKAJ KUMAR
सचिव
SECRETARY

सत्यमेव जयते

भारत सरकार
जल शक्ति मंत्रालय
जल संसाधन, नदी विकास
और गंगा संरक्षण विभाग
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF JAL SHAKTI
DEPARTMENT OF WATER RESOURCES,
RIVER DEVELOPMENT & GANGA REJUVENATION

दिनांक 25 अगस्त, 2022

## अपील

किसी भी समाज, राष्ट्र और सभ्यता की पहचान उसकी अपनी भाषा से होती है। भाषा विचारों के आदान–प्रदान का माध्यम होती है। हिन्दी देश की भावनात्मक एकता की कड़ी है। हिन्दी का प्रयोग बढ़ाना एक राष्ट्रीय कार्य है।

विगत वर्षो की भांति इस वर्ष भी हम विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं के साथ 'हिन्दी पखवाड़ा' समारोह आयोजित कर रहे हैं। मुझे आशा है कि मंत्रालय के अधिक से अधिक अधिकारी और कर्मचारी इसमें भाग लेंगे और यह आयोजन हिन्दी में काम करने के लिए आप सभी को उत्साह और प्रेरणा प्रदान करेगा। हिन्दी में काम करने की भावना केवल हिन्दी पखवाड़े तक ही सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि पूरे वर्ष हिन्दी में कार्य किया जाना चाहिए ताकि हम अपने संवैधानिक दायित्वों को निभा सकें।

इस अवसर पर, मैं आप सभी को बधाई देता हूँ और **'हिन्दी पखवाड़े'** के सफल आयोजन की कामना करता हूँ।

पंकज कुमार

**(पंकज कुमार)**

आज़ादी का
अमृत महोत्सव

श्रम शक्ति भवन,रफी मार्ग, नई दिल्ली-110 001 / Shram Shakti Bhawan, Rafi Marg, New Delhi-110 001
Tel. : 23710305, 23715919, Fax : 23731553, E-mail : secy-mowr@nic.in, Website : http://www.mowr.gov.in